ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, मंगलवार 10 मार्च 2026
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 2 अंक 294

मिडिल ईस्ट तनाव का असरः अंतरराष्ट्रीय हवाई किराए में 15% तक बढ़ोतरी, जेट ईंधन महंगा होने से संकट गहराया

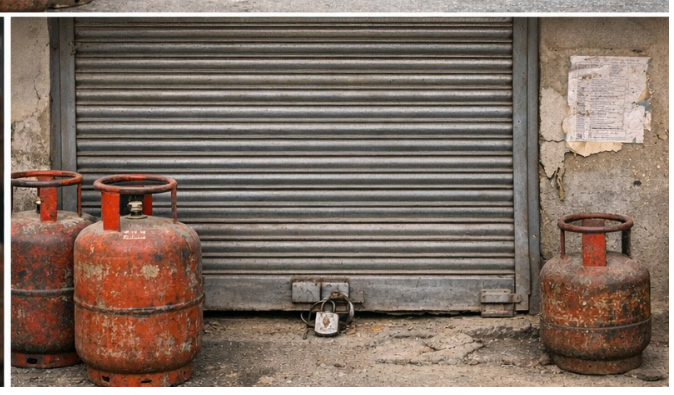

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव का असर अब सीधे आम लोगों की जेब पर पड़ने लगा है। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के किराए में बढ़ोतरी शुरू हो गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय एयरलाइंस ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के किराए में करीब 15 प्रतिशत तक बढ़ोतरी कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष तथा होर्मुज समुद्री मार्ग प्रभावित होने के कारण कच्चे तेल और जेट ईंधन की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। इसका असर अब वैश्विक विमानन उद्योग पर भी साफ दिखाई देने लगा है।

आगे और महंगे हो सकते हैं हवाई टिकट

जानकारों का कहना है कि जेट ईंधन की कीमतों में तेजी को देखते हुए भारतीय विमानन कंपनियां आने वाले दिनों में किराया और बढ़ा सकती हैं। एयरलाइंस का कहना है कि संचालन लागत बढ़ने के कारण उनके पास किराया बढ़ाने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा है।

जेट ईंधन की कीमतें लगभग दोगुनी

28 फरवरी को शुरू हुए ईरान-इजरायल संघर्ष के बाद से तेल की आपूर्ति श्रृंखला पर बड़ा असर पड़ा है। इसके चलते कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है। ब्रेंट कच्चा तेल कुछ समय पहले 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था, जबकि कई बाजारों में जेट ईंधन की कीमतें 85–90 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 150–200 डॉलर प्रति बैरल के बीच पहुंच गई हैं। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण दुनियाभर में अब तक 40 हजार से अधिक उड़ानें रद्द होने की भी जानकारी सामने आई है।

एयरलाइंस के खर्च का सबसे बड़ा हिस्सा जेट ईंधन

विमानन कंपनियों के कुल संचालन खर्च में जेट ईंधन की हिस्सेदारी 30 से 40 प्रतिशत तक होती है। ऐसे में ईंधन की कीमतों में अचानक बढ़ोतरी ने एयरलाइंस के बजट को बुरी तरह प्रभावित किया है। इसी कारण कई बड़ी कंपनियों ने न केवल टिकट के दाम बढ़ाए हैं, बल्कि अपने भविष्य के वित्तीय अनुमान भी वापस ले लिए हैं।

कई देशों में बढ़ाए गए किराए

दुनिया की कई एयरलाइंस ने किराए बढ़ाने या अतिरिक्त ईंधन शुल्क लगाने का फैसला किया है। एयर न्यूजीलैंडः कंपनी ने घरेलू उड़ानों का किराया लगभग 10 न्यूजीलैंड डॉलर बढ़ाया है। छोटी दूरी की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में 20 डॉलर और लंबी दूरी की उड़ानों में 90 डॉलर तक बढ़ोतरी की गई है। हांगकांग एयरलाइंसः कंपनी ने ईंधन अधिभार में 35 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की घोषणा की है। कुछ अंतरराष्ट्रीय रूट्स पर यह शुल्क 284 हांगकांग डॉलर से बढ़ाकर 384 डॉलर कर दिया गया है। क्वांटास और एसएएसः ऑस्ट्रेलिया की क्वांटास एयरवेज और उत्तरी यूरोप की एयरलाइन एसएएस ने भी बढ़ती लागत को देखते हुए टिकट कीमतों में अस्थायी बढ़ोतरी की है।

विमानन क्षेत्र में चिंता का माहौल

ऊर्जा बाजार के विश्लेषकों का कहना है कि विमानन क्षेत्र में इस समय अनिश्चितता और चिंता का माहौल है। जिन एयरलाइंस ने पहले कम कीमत पर टिकट बेच दिए थे, उन्हें अब महंगे ईंधन के कारण नुकसान का खतरा है। कुछ कम लागत वाली एयरलाइंस तो अपने विमानों को अस्थायी रूप से खड़ा करने की तैयारी कर रही हैं, क्योंकि मौजूदा ईंधन कीमतों पर उड़ान भरना घाटे का सौदा साबित हो सकता है।

हालात नहीं सुधरे तो बंद हो सकती हैं छोटी एयरलाइंस विशेषज्ञों का मानना है कि यदि तेल की कीमतों में तेजी और मिडिल ईस्ट का तनाव जल्द कम नहीं हुआ, तो दुनिया भर में हजारों विमान खड़े हो सकते हैं और कई छोटी एयरलाइंस को संचालन बंद करना पड़ सकता है। हालांकि कुछ कंपनियां इस स्थिति को अवसर के रूप में भी देख रही हैं। जिन एयरलाइंस ने पहले से ईंधन कीमतों को सुरक्षित कर रखा है, उन्हें इस संकट में प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिल सकता है।

इंडिगो के CEO पीटर एलबर्स का इस्तीफाः दिसंबर में फ्लाइट ऑपरेशन में गड़बड़ी हुई थी, 22 करोड़ जुर्माना लगा था; फाउंडर राहुल भाटिया संभालेंगे कमान

24 न्यूज अपडेट

भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (CEO) पीटर एलबर्स ने पद से इस्तीफा दे दिया है। कंपनी ने आज 10 मार्च को रेगुलेटरी फाइलिंग में इसकी जानकारी दी। एलबर्स के जाने के बाद अब कंपनी के फाउंडर और मैनेजिंग डायरेक्टर राहुल भाटिया अंतरिम तौर पर एयरलाइन के कामकाज की जिम्मेदारी संभालेंगे।

3 महीने पहले इंडिगो को भारी फ्लाइट ऑपरेशंस संकट का सामना करना पड़ा था। उस दौरान करीब 3 लाख यात्री फंसे रह गए थे, जिसके बाद एविएशन रेगुलेटर DGCA ने एयरलाइन पर 22.20 करोड़ का भारी जुर्माना भी लगाया था।

इंडिगो ने स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया, कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की आज हुई मीटिंग में CEO पीटर एलबर्स के इस्तीफे को स्वीकार कर लिया गया है। उन्हें आज बिजनेस ऑवर्स खत्म होने के बाद जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया है। उनकी जगह राहुल भाटिया कंपनी के मामलों का मैनेजमेंट देखेंगे।

इस्तीफे की वजह निजी कारण बताई

राहुल भाटिया को लिखे अपने इस्तीफे में पीटर एलबर्स ने पद छोड़ने के पीछे निजी कारणों का हवाला दिया है। उन्होंने कंपनी से अपना नोटिस पीरियड खत्म करने की भी अपील की ताकि वे तत्काल प्रभाव से पद मुक्त हो सकें।

चांदी आज 13 हजार बढ़कर 2.73 लाख पर पहुंचीः सोना 1700 बढ़कर 1.60 लाख का हुआ, इस साल कीमत 27 हजार बढ़ी

24 न्यूज अपडेट

सोने और चांदी के दामों में आज यानी 10 मार्च को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,700 रुपए बढ़कर 1.60 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले इसकी कीमत 1.59 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी। एक किलो चांदी 13 हजार रुपए बढ़कर 2.73 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले इसकी कीमत 2.60 लाख रुपए प्रति किलो थी।

एक्सपर्ट्स के अनुसार 29 जनवरी को सोने की कीमत 1.76 लाख रुपए और चांदी के दाम 3.86 लाख रुपए के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गए थे। इसके बाद से इनकी कीमत में काफी गिरावट आ चुकी है। इसलिए इनकी खरीदारी देखने को मिल रही है।

सुप्रीम कोर्ट बोला-सरकार कोविड वैक्सीन से नुकसान का मुआवजा देः एरर-फ्री पॉलिसी बनाए; साइड इफेक्ट्स की जांच के लिए एक्सपर्ट पैनल की जरूरत नहीं

24 न्यूज अपडेट

सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को कोविड वैक्सीनेशन से जुड़ी याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए कहा कि सरकार वैक्सीनेशन के साइड इफेक्ट्स का मुआवजा दे। इसके लिए वह नो-फॉल्ट कंपनसेशन पॉलिसी बनाए।

नो-फॉल्ट कम्पनसेशन पॉलिसी का मतलब है कि अगर किसी व्यक्ति को दवा या वैक्सीन से नुकसान हो जाए, तो उसे मुआवजा मिल सकता है, भले ही इसमें किसी की गलती साबित न हुई हो।

जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने यह भी कहा कि वैक्सीनेशन के साइड इफेक्ट्स की मॉनिटरिंग के लिए मौजूदा सिस्टम जारी रहेगा। इसके लिए अलग से एक्सपर्ट पैनल बनाने की जरूरत नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने रचना गंगू और वेणुगोपालन गोविंदन की 2021 में दायर याचिका पर यह फैसला सुनाया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उनकी बेटियों की मौत कोविड वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स के कारण हुई थी।

वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स से जुड़े आंकड़े समय-समय पर पब्लिक डोमेन में रखा जाएगा।

इस फैसले का मतलब यह नहीं होगा कि व्यक्ति दूसरे कानूनी उपायों का सहारा नहीं ले सकता।

मुआवजा नीति का यह मतलब नहीं होगा कि सरकार या किसी दूसरी अथॉरिटी ने अपनी गलती मान ली है।

गैस संकट का असर पूरे राजस्थान में, उदयपुर सहित कई शहरों में कालाबाजारी की आशंका

जयपुर। मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच रसोई गैस की आपूर्ति प्रभावित होने का असर अब पूरे राजस्थान में दिखाई देने लगा है। कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की बिक्री बंद होने से उदयपुर सहित कई शहरों में घरेलू सिलेंडर से अवैध रिफिलिंग और कालाबाजारी की आशंका बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार कॉमर्शियल और घरेलू गैस की कीमतों में करीब 36 रुपए प्रति किलोग्राम का अंतर है। कॉमर्शियल गैस करीब 100.57 रुपए प्रति किलो, जबकि घरेलू गैस 64.50 रुपए प्रति किलो के हिसाब से मिल रही है। इसी अंतर का फायदा उठाकर कुछ लोग घरेलू सिलेंडरों से कॉमर्शियल सिलेंडर भरकर अधिक कीमत पर बेच सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि तीन घरेलू सिलेंडरों से दो कॉमर्शियल सिलेंडर तैयार किए जा सकते हैं, जिससे मोटा मुनाफा कमाने की संभावना रहती है। वहीं प्रशासन और तेल कंपनियों के पास अभी तक घरेलू सिलेंडरों की अवैध रिफिलिंग रोकने का कोई प्रभावी तंत्र नहीं है। गैस बुकिंग के समय उपभोक्ता को ओटीपी तो भेजा जाता है, लेकिन डिलीवरी के समय उसकी सख्त जांच नहीं होती। गैस की कमी का असर अब कॉमर्शियल उपभोक्ताओं के साथ आम घरों पर भी पड़ने लगा है। कई जगह ऑनलाइन गैस बुकिंग नंबर पर कॉल लगने में भी परेशानी आ रही है। ऐसे में विशेषज्ञों का मानना है कि यदि स्थिति जल्द नहीं सुधरी तो राजस्थान के कई शहरों, खासकर उदयपुर जैसे पर्यटन और होटल व्यवसाय वाले इलाकों में गैस संकट और गहरा सकता है।

सेंसेक्स 640 अंक चढ़कर 78,206 पर पहुंचाः कच्चा तेल 9% सस्ता होकर 90 डॉलर पर आया; ट्रम्प के 'युद्ध जल्द खत्म' वाले बयान का असर

24 न्यूज अपडेट

शेयर बाजार में आज यानी 10 मार्च को तेजी रही। सेंसेक्स 640 अंक (0.82%) की तेजी के साथ 78,205 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी करीब 233 अंक (0.97%) की तेजी रही, ये 24,262 पर बंद हुआ। आज बैंकिंग, ऑटो और FMCG शेयर्स में ज्यादा बढ़त है।

राजसमंद सहित 19 जिलों में 14 मार्च को बारिश और ओलों की चेतावनी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर/जयपुर। प्रदेश में तेज गर्मी और लू के बीच राहत की खबर है। मौसम विभाग के अनुसार 14 मार्च को एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने जा रहा है, जिसके प्रभाव से राजस्थान के कई जिलों में आंधी, बारिश और कहीं-कहीं ओले गिरने की संभावना है। विभाग ने राजसमंद सहित 19 जिलों में वर्षा और ओलों को लेकर पीली चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार जिन जिलों में वर्षा और ओलों की संभावना जताई गई है उनमें चूरू, सीकर, झुंझुनूं, नागौर, जयपुर, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली, दौसा, टोंक, सवाई माधोपुर, बूंदी, कोटा, बारां, झालावाड़, भीलवाड़ा, पाली और राजसमंद शामिल हैं। इन क्षेत्रों में मेघगर्जन के साथ तेज हवा चलने और हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना व्यक्त की गई है। मंगलवार को प्रदेश के अधिकांश इलाकों में मौसम साफ रहा और दिनभर तेज धूप पड़ी। सीमावर्ती जिलों जैसलमेर और बाड़मेर सहित आसपास के क्षेत्रों में हल्की से मध्यम लू का असर देखने को मिला। तापमान की बात करें तो बाड़मेर में सबसे अधिक 40.6 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज किया गया। इसके अलावा पिलानी (झुंझुनूं) में 39.2, चित्तौड़गढ़ में 39, चूरू में 38.7, जोधपुर में 38.6 और जैसलमेर में 38.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। तेज धूप से बचने के लिए जयपुर शहर के परकोटे क्षेत्र में कई दुकानदारों को सड़क किनारे छातों का सहारा लेते देखा गया। 14 मार्च से बदलेगा मौसम मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि 14 मार्च को उत्तर भारत में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। इसका प्रभाव 14 और 15 मार्च को राजस्थान में देखने को मिल सकता है। इस मौसम प्रणाली के प्रभाव से प्रदेश के कई भागों में मेघगर्जन के साथ आंधी और हल्की बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की जा सकती है, जिससे लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है।

संपादकीय : विकल्प की राह

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध में एक ओर इजराइल - अमेरिका की तरफ से हमले में ईरान के तेल उत्पादन केंद्रों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश हो रही हैं, तो दूसरी ओर ईरान के जवाब की जद में भी कतर, बहरीन और सऊदी अरब जैसे खाड़ी के कई तेल उत्पादक देश आ रहे हैं। इसके अलावा, ईरान ने होर्मुज समुद्री मार्ग को जिस तरह बाधित कर दिया है. उसका मुख्य असर तेल की आपूर्ति पर पड़ना शुरू हो चुका है। हमलों की तीव्रता अगर बनी रही, तो केवल भारत नहीं, समूचे एशिया में तेल और गैस की कीमतें काफी बढ़ सकती हैं। एशिया के कई विकासशील देश शायद इसका बोझ नहीं उठा पाएंगे और नतीजतन उन्हें अपने यहां तेल और गैस की मांग को घटाने की जरूरत पड़ सकती है। ऐसे में भारत के सामने भी अपने तेल और गैस की जरूरत भर आपूर्ति को बनाए रखने की बहुस्तरीय चुनौती आ खड़ी हुई है। तेल खरीद के मोर्चे पर भारत जिन नई परिस्थितियों से दो-चार है, उसमें अब स्वाभाविक ही नए विकल्प तैयार करना वक्त का तकाजा है । दरअसल, व्यापार समझौते में अमेरिका ने जिस तरह भारत के सामने रूस से तेल नहीं खरीदने की शर्त लगाई, उससे स्थितियां ज्यादा जटिल हुईं। मगर युद्ध की वजह से पैदा हुई नई परिस्थिति में इस संदर्भ में फैसला लेने के लिए भारत स्वाभाविक ही अपनी जरूरतों के मुताबिक कदम बढ़ा रहा है। शायद यही वजह है कि होर्मुज जलडमरूमध्य का रास्ता रोके जाने के बाद पैदा होने वाली स्थिति के मद्देनजर भारत को अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए रूस या अन्य विकल्प की ओर देखने को लेकर अमेरिका ने नरम रुख अख्तियार किया है। गौरतलब है कि भारत में एलएनजी यानी तरल प्राकृतिक गैस का पचास फीसद खाड़ी देशों से आता है, जिसका उपयोग बिजली उत्पादन और खाद बनाने में किया जाता है। इसी तरह एलपीजी का साठ फीसद इन्हीं देशों से आता है। मगर जब से ईरान ने होर्मुज समुद्री मार्ग को बाधित किया है, तब से तेल और गैस की सहज आपूर्ति पर इसका व्यापक असर पढ़ा है। हमले के कई दिनों बाद भी दोनों पक्षों की ओर से युद्ध विराम के लिए किसी तरह की पहल करने के संकेत नहीं दिख रहे हैं। ऐसे में दुनिया के एक बड़े हिस्से में तेल और गैस का संकट खड़ा हो सकता है। हालांकि भारत के पास अगले करीब दो महीने के लिए अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए पर्याप्त भंडार है, लेकिन अभी जिस तरह युद्ध के लंबा खिंचने की आशंका दिख रही है, उसके मद्देनजर पूर्व तैयारी की जरूरत है। इसी वजह से भारत ने अब अपनी ऊर्जा खरीद की रणनीति में काफी बदलाव किया है, ताकि किसी एक रास्ते के बाधित होने पर आपातकालीन आपूर्ति भी बाधित होने की स्थिति न पैदा हो। फिलहाल भारत ने जहां रूस से तेल खरीदने का रास्ता खुला रखा है, वहीं अब इसके सामने पश्चिम अफ्रीका, अमेरिका, मध्य एशिया और कई अन्य देशों से आपूर्ति को सहज बनाए रखने का विकल्प है। इसके अलावा, आस्ट्रेलिया और कनाडा सहित कई अन्य देशों ने भी गैस आपूर्ति की पेशकश की है और मौजूदा संकट को देखते हुए भारत अपनी कर्जा साझेदारी के दायरे में विस्तार कर रहा है। जाहिर है, मुश्किल वक्त में भारत ने अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के नए रास्ते तैयार किए हैं और उम्मीद है कि युद्ध की वजह से उपजे संकट की मार आम लोगों पर नहीं पड़ेगी ।

बदलाव की बयार

नेपाल में हुए चुनाव के नतीजे आने के बाद देश की राजनीतिक तस्वीर काफी हद तक साफ हो गई है। नई पीढ़ी के अगुआ बने बालेंद्र शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने कई दिग्गजों और पुरानी पार्टियों को भारी शिकस्त दी है। अगर सब कुछ उम्मीद के अनुरूप हुआ और बालेंद्र शाह को ही नेता चुना गया, तो नेपाल के संसदीय इतिहास में वे सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री होंगे। अब तक वहां जितने भी प्रधानमंत्री बने हैं, वे कभी अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सके। माना जा रहा है कि दो-तिहाई सीटों पर जीत के साथ स्पष्ट बहुमत हासिल कर चुकी आरएसपी के नेतृत्व में बनने वाली सरकार अपना पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा करेगी। देश में पिछले दिनों हुए चुनावों में नागरिकों और विशेषकर युवा वर्ग ने इस पार्टी पर जिस तरह भरोसा किया है, उसके मद्देनजर नेपाल में भावी सरकार के सामने जन आकांक्षाओं को पूरा करने की बड़ी चुनौती होगी। वहीं नई सरकार को घरेलू समस्याओं से निपटने के साथ देश के आर्थिक विकास में आए ठहराव को दूर करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उसे पड़ोसी देशों खासकर भारत से संबंध बेहतर बनाने के भी प्रयास करने होंगे। पुरानी सरकार के कामकाज के जिस तरीके के खिलाफ वहां युवा वर्ग के भीतर व्यापक आक्रोश पैदा हुआ, उसे बदलना सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक होगा। नेपाल के लोगों का मानना है कि राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के नेता बालेंद्र शाह के भीतर देश की राजनीति और नीतियों को बदल सकने की क्षमता है। दरअसल, शाह को महापौर के अपने कार्यकाल में जमीनी स्तर पर सुधार के कई कार्यों के लिए जाना जाता है। चुनावी नतीजों के बाद अब उनसे उम्मीद की जा रही है कि वे भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार करने के साथ व्यवस्था में भी बड़ा बदलाव करेंगे। नई सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती रोजगार सृजन की भी होगी। नेपाल में बेरोजगारी एक बहुत बड़ी समस्या है और बड़ी संख्या में वहां के युवा वर्षों से काम के लिए पलायन करते रहे हैं। बहरहाल, नेपाल में छह महीने पहले व्यवस्था में पारदर्शिता और भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर नई पीढ़ी के व्यापक आंदोलन से उभरे बालेंद्र शाह और उनकी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी सबकी उम्मीदों पर कितना खरा उतरेंगे, देश को किस तरह की वैकल्पिक राजनीति देंगे, यह देखने की बात होगी।

ईमेल से बम धमकी, लेकसिटी मॉल में हड़कंपः पासपोर्ट सेवा केंद्र की एक घंटे तक खंगाली इमारत, कुछ संदिग्ध नहीं मिला

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर में मंगलवार को एक ईमेल ने प्रशासन और पुलिस तंत्र को अचानक अलर्ट मोड में ला दिया। जयपुर स्थित पासपोर्ट कार्यालय के आधिकारिक मेल पर भेजे गए संदेश में उदयपुर के पासपोर्ट सेवा केंद्र को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। यह केंद्र शहर के लेकसिटी मॉल में संचालित होता है। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अमला हरकत में आया और मॉल परिसर को तुरंत खाली करवाकर सुरक्षा जांच शुरू कर दी गई। धमकी की सूचना मिलते ही मॉल में मौजूद लोगों को तेजी से बाहर निकाला गया और प्रवेश द्वारों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया। कुछ ही देर में मौके पर डीएसपी सूर्यवीर सिंह राठौड़ और भूपालपुरा थाना प्रभारी आदर्श कुमार पुलिस जाब्ते के साथ पहुंच गए। हालात की गंभीरता को देखते हुए डॉग स्क्वायड टीम को भी मौके पर बुलाया गया। करीब एक घंटे तक मॉल के भीतर और आसपास गहन तलाशी अभियान चलाया गया। डॉग स्क्वायड की मदद से बैग, काउंटर, गलियारों और अन्य जगहों की बारीकी से जांच की गई, लेकिन पूरी कार्रवाई के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। तलाशी पूरी होने के बाद पुलिस ने मॉल को दोबारा आम लोगों के लिए खोल दिया, हालांकि एहतियात के तौर पर निगरानी जारी रखी गई। इस बीच मॉल खाली करवाए जाने से वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पासपोर्ट सेवा केंद्र में काम से आई कई लोगों को अचानक बाहर इंतजार करना पड़ा। पासपोर्ट बनवाने आई उदयपुर की मूमल राजावत ने बताया कि जब वे कार्यालय के अंदर थीं, तभी स्टाफ ने सभी को बाहर जाने के लिए कहा। उन्हें बताया गया कि बम से उड़ाने की धमकी मिली है, इसलिए जांच होने तक बाहर इंतजार करना होगा। इसके बाद सभी आवेदकों को मॉल से बाहर भेज दिया गया। डीएसपी सूर्यवीर सिंह राठौड़ के मुताबिक धमकी भरा ईमेल जयपुर पासपोर्ट कार्यालय को मिला था, जिसमें उदयपुर के पासपोर्ट सेवा केंद्र को निशाना बनाने की बात लिखी गई थी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर व्यापक सर्च ऑपरेशन चलाया। फिलहाल जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है, लेकिन ईमेल भेजने वाले की पहचान और धमकी की सत्यता को लेकर पुलिस जांच जारी है।

जंगल की आग ने ले ली टूरिस्ट की जान, बाहुबली हिल पर कल किया था रेस्क्यू, आज हो गई मौत

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर से करीब 15 किलोमीटर दूर स्थित बड़ी झील पर बाहुबली हिल क्षेत्र में भीषण जंगल की आग में फंसे पर्यटक को कल रात को रेस्क्यू किया गया था। आज सुबह उसकी एमबी अस्पताल में मौत हो गई मृतक की पहचान मध्य प्रदेश के रतलाम जिले के रहने वाले माखन सिंह (33) के रूप में हुई है। बाहुबली हिल क्षेत्र का 3 हेक्टेयर घना जंगल अग से जलकर राख हो गया है। बताया गया कि माखन सिंह सोमवार रात अकेले ही पहाड़ी पर घूमने चला गया। जंगल में आग में फंस गया। माखन सिंह ने 100 नंबर पर कॉल कर मदद मांगी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंचीं। रेस्क्यू कर्मियों के अनुसार युवक धुएं के बीच झाड़ियों में बेहोशी की हालत में मिला। उसे तुरंत उदयपुर के एमबी अस्पताल लाया गया जहां मंगलवार सुबह करीब 7 बजे उसकी मौत हो गई। एमबी अस्पताल के अधीक्षक डॉ. आर. एल. सुमन ने बताया कि प्रारंभिक रूप से मौत का कारण आग के धुएं से दम घुटना माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा। फायर ब्रिगेड अधिकारी बी. एल. चौधरी ने बताया कि आग बहुत तेजी से फैल गई थी, जिसके कारण पूरी पहाड़ी काले धुएं से ढक गई थी। दमकल की टीमों ने देर रात तक कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि एहतियात के तौर पर रातभर फायर ब्रिगेड की टीमें जंगल क्षेत्र के आसपास तैनात रहीं। माखन सिंह रतलाम जिले की जावरा तहसील के ऊपरवाड़ा गांव का रहने वाला था। हार्वेस्टर शोरूम में मैनेजर के पद पर कार्यरत था। घर से घूमने के लिए निकला था। उसके तीन बच्चे हैं। इस बीच आज गीतांजलि के पास की पहाड़ियां भी धधकती हुई दिखाई दी। नीमचमाता, ऋषभदेव, चित्रकूट नगर और बड़ी गांव स्थित पांडवा की पहाड़ी पर भी आग लग चुकी है।

नेशनल हाईवे-27 पर हादसाः पत्थर पाउडर से भरा ट्रेलर 60 फीट गहरी खाई में गिरा, ड्राइवर-खलासी घायल

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। नेशनल हाईवे 27 पर सोमवार सुबह बड़ा हादसा हो गया, जब पत्थर के पाउडर से भरा एक ट्रेलर अनियंत्रित होकर करीब 60 फीट गहरी खाई में जा गिरा। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास से गुजर रहे वाहन चालकों और ग्रामीणों ने तुरंत राहत कार्य शुरू करते हुए पुलिस को सूचना दी। जानकारी के अनुसार ट्रेलर सुबह करीब 10 बजे उदयपुर से पिंडवाड़ा की ओर जा रहा था। रास्ते में खोखरिया नाल सुरंग के पास अचानक संतुलन बिगड़ने से वाहन सड़क से नीचे गहरी खाई में गिर गया। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और कुछ लोग खाई में उतरकर मदद के प्रयास करने लगे। सूचना मिलने पर बेकरिया थानाधिकारी उत्तम सिंह और हाईवे पेट्रोलिंग टीम के भगवत सिंह झाला मौके पर पहुंचे। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से खाई में उतरकर ट्रेलर के केबिन में फंसे ड्राइवर और खलासी को करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। घायल दोनों व्यक्तियों की पहचान झालावाड़ जिले के भवानीमंडी निवासी आत्माराम पुत्र प्रभुलाल और राजेश पुत्र भागचंद के रूप में हुई है। दोनों को हाईवे एंबुलेंस की मदद से गोगुंदा अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उदयपुर रेफर कर दिया गया। हादसे के दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने भी राहत और बचाव कार्य में अहम भूमिका निभाई।

मेवाड़ राजवंश के शिवरती घराने के प्रियवृत सिंह शिवरती बने लेफ्टिनेंट

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। चेन्नई स्थित ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी में आयोजित पिपिंग समारोह के दौरान अधिकारी कैडेटों ने अपने कठिन परिश्रम से अर्जित सितारे धारण कर भारतीय सेना में एक नए सफर की शुरुआत की। यह सितारा केवल पद का प्रतीक नहीं, बल्कि अनुशासन, साहस और समर्पण से भरे जीवन में आए परिवर्तन और गौरव का भी प्रतीक है। पासिंग आउट परेड में कुल 345 भारतीय कैडेटों को लेफ्टिनेंट के रूप में कमीशन किया गया, जिनमें 27 महिला कैडेट भी शामिल थीं। इसके अलावा मित्र देशों के 4 कैडेटों ने भी अपना प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया। इनमें 21 वर्षीय प्रियवृत सिंह शिवरती ने भी लेफ्टिनेंट के रूप में भारतीय सेना में कमीशन प्राप्त कर अपने परिवार और मेवाड़ क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया। प्रियवृत मेवाड़ राजवंश के शिवरती घराने से संबंध रखते हैं। उन्होंने अपने परदादा मेजर महाराज उदय सिंह शिवरती के पदचिन्हों पर चलते हुए यह मुकाम हासिल किया। मेजर उदय सिंह शिवरती, पूर्व मेवाड़ महाराणा भगवत सिंह मेवाड़ के सगे काका थे और भारतीय सेना में सेवा दे चुके थे। प्रियवृत की प्रारंभिक शिक्षा डेली कॉलेज, इंदौर से हुई। वे राष्ट्रीय स्तर के राइफल शूटर भी रह चुके हैं और खेल व अनुशासन दोनों क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का परिचय दे चुके हैं। प्रियवृत के पिता डॉ. अजात शत्रु सिंह शिवरती इतिहास के प्रोफेसर, भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) से मान्यता प्राप्त क्रिकेट अंपायर तथा पत्रकार भी हैं। प्रियवृत की इस उपलब्धि से परिवार और क्षेत्र में हर्ष का माहौल है तथा उन्हें बधाइयों का सिलसिला लगातार जारी है।

आरपीएससी सहायक आचार्य (संगीत गायन) परीक्षा में विनीमा जांगिड़ ने प्राप्त किया प्रदेश में प्रथम स्थान

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 10 मार्च। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) द्वारा आयोजित सहायक आचार्य (संगीत गायन) प्रतियोगी परीक्षा में उदयपुर की प्रतिभाशाली छात्रा विनीमा जांगिड़ ने पूरे राजस्थान में प्रथम स्थान प्राप्त कर मेवाड़ क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। विनीमा जांगिड़, उदयपुर के मीरा कन्या महाविद्यालय की पूर्व छात्रा हैं। उन्होंने वर्ष 2016 में संगीत विषय में एम.ए. की परीक्षा उत्तीर्ण की थी और इस दौरान स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) भी प्राप्त किया। अपनी मेहनत और लगन के बल पर उन्होंने तीन बार नेट और सेट परीक्षा भी उत्तीर्ण की है, जो उनकी शैक्षणिक प्रतिभा और समर्पण को दर्शाता है। वर्तमान में विनीमा जांगिड़ जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर में डॉ. स्वाति शर्मा के मार्गदर्शन में संगीत विषय में शोध कार्य कर रही हैं। अपनी इस उल्लेखनीय सफलता का श्रेय उन्होंने अपने माता-पिता, गुरु डॉ. सीमा राठौड़, डॉ. दुष्यंत त्रिपाठी सहित सभी संगीत गुरुओं, परिवारजनों और मित्रों को दिया है। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग, मार्गदर्शन और प्रेरणा से ही वे यह उपलब्धि हासिल कर सकीं। विनीमा जांगिड़ की इस शानदार सफलता पर मेवाड़ क्षेत्र के शिक्षाविदों, संगीत प्रेमियों और क्षेत्रवासियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

बांसवाड़ा में भगवान आदिनाथ जन्म कल्याणक महोत्सव श्रद्धा व उमंग से मनाया जाएगा

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा। जैन धर्म की वर्तमान चौबीसी के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव गुरुवार, 12 मार्च को बांसवाड़ा में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर शहर के मोहन कॉलोनी स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम गणिनी आर्यिका भरतेश्वरी माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में तथा प्रतिष्ठाचार्य पंडित विनोद पगारिया 'विरल' (सागवाड़ा) के तत्वावधान में आयोजित होगा। इस दौरान विशेष रूप से "आदिनाथ विधान" का भव्य आयोजन किया जाएगा। समाज के अध्यक्ष सुमति लाल जैन ने बताया कि विधान के अंतर्गत प्रातःकाल मूलनायक भगवान आदिनाथ का महाभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न होगी। इसके पश्चात सकलीकरण, इन्द्र प्रतिष्ठा, मंडप प्रतिष्ठा, पंच मंगल कलश स्थापना तथा नवदेवता पूजन जैसे धार्मिक अनुष्ठान किए जाएंगे। विधान के दौरान इन्द्र एवं इन्द्राणियों द्वारा आदिनाथ विधान मंडल पर अष्टद्रव्य और श्रीफल युक्त अर्घ समर्पित किए जाएंगे। विधान के समापन के बाद भगवान आदिनाथ की प्रतिमा को रजत गंधकुटी में विराजित कर भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें समाजजन उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। सांयकाल मंदिर परिसर में 108 दीपकों से भगवान की आरती उतारी जाएगी तथा भजन संध्या का आयोजन होगा, जिसमें श्रद्धालु भक्ति भाव से भगवान का गुणगान करेंगे।

गलती से दूसरे युवक को भेजा बाइक का ई-चालान, विभाग ने बाद में सुधारी गलती

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर ट्रैफिक पुलिस द्वारा एक बाइक का ई-चालान गलती से दूसरे युवक को भेजे जाने का मामला सामने आया है। चालान मिलने के बाद युवक ने जब फोटो और अपनी बाइक की स्थिति देखी तो मामला सामने आया, जिसके बाद विभाग ने गलती सुधार दी। उदयपुर के मादड़ी निवासी मुन्ना कुमार के मोबाइल पर सोमवार को हेलमेट नहीं पहनने पर 1000 रुपए के ई-चालान का संदेश आया। संदेश देखकर वह हैरान रह गया, क्योंकि उसकी बाइक पिछले करीब दो माह से घर पर खराब हालत में खड़ी थी और उसे बाहर ही नहीं निकाला गया था। मुन्ना कुमार के अनुसार उसके पास हीरो कंपनी की ग्लैमर बाइक है, जिसका नंबर आरजे27एसी 3500 है। इसी नंबर पर 1000 रुपए का चालान भरने का संदेश आया, लेकिन चालान में लगी फोटो में होंडा बाइक पर कोई अन्य व्यक्ति दिखाई दे रहा था। मामले की जानकारी मिलने के बाद अगले दिन मंगलवार को विभाग की ओर से दूसरा संदेश भेजा गया। इसमें बताया गया कि एक अंक की गलती के कारण यह चालान गलत नंबर पर जारी हो गया था। सही नंबर आरजे27एएल 3500 था। इसके बाद युवक ने राहत की सांस ली। पहले भी सामने आ चुका है ऐसा मामला करीब एक माह पहले भी इसी तरह की गलती सामने आई थी। सुखेर निवासी अधिवक्ता दीपक डांगी के मोबाइल पर बाइक पर हेलमेट नहीं पहनने का चालान आया था, जबकि उस दिन वे कार से यात्रा कर रहे थे और सीट बेल्ट लगाए हुए थे। बाद में विभाग ने जांच के बाद उस चालान को भी सुधार कर अपडेट कर दिया था।

कुराबड़ क्षेत्र में कलेक्टर का दौराः विकास कार्यों की समीक्षा, आमजन की समस्याएं सुनीं

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर के जिला कलेक्टर नमित मेहता ने मंगलवार को कुराबड़ क्षेत्र का दौरा कर विभिन्न सरकारी कार्यालयों और विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लेते हुए अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। दौरे की शुरुआत करते हुए कलेक्टर मेहता सबसे पहले कुराबड़ तहसील कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने कार्यालय की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इसके बाद निर्माणाधीन नए तहसील भवन का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को निर्देश दिए कि कार्य तय समय में पूरा किया जाए और गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए। उन्होंने निर्माण कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करने के भी निर्देश दिए।

अमृत सरोवर और तालाबों की देखरेख पर जोर

कलेक्टर उपला चोटिया स्थित अमृत सरोवर भी पहुंचे, जहां उन्होंने जल संरचना की स्थिति का निरीक्षण करते हुए उसके संरक्षण और रखरखाव के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण की दृष्टि से अमृत सरोवर जैसी योजनाओं का नियमित रखरखाव अत्यंत आवश्यक है। इसके बाद उन्होंने जुनेश्वर महादेव तालाब और नर्सरी का भी निरीक्षण किया। तालाब में स्वच्छता बनाए रखने तथा जलाशयों के संरक्षण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर आवश्यक कार्रवाई कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा।

पंचायत समिति कार्यालय की व्यवस्थाएं देखीं

कलेक्टर ने पंचायत समिति कार्यालय कुराबड़ का भी निरीक्षण किया। यहां परिसर में साफ-सफाई और व्यवस्थाओं को देखकर उन्होंने संतोष व्यक्त किया और अधिकारियों-कर्मचारियों को इसी प्रकार अनुशासन और स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। दौरे के दौरान कलेक्टर मेहता ने कुराबड़ स्थित जनजाति बालिका आश्रम छात्रावास का भी निरीक्षण किया। उन्होंने छात्राओं से बातचीत कर छात्रावास में उपलब्ध सुविधाओं, भोजन और पढ़ाई की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिए कि छात्राओं को सभी आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाए।

परमदा में सुनी आमजन की परिवेदनाएं

कलेक्टर ने भारत निर्माण सेवा केंद्र, परमदा पहुंचकर आमजन की परिवेदनाएं भी सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता से निस्तारण करते हुए लोगों को शीघ्र राहत दी जाए। इस दौरान एसडीएम अवुला साई कृष्ण, तहसीलदार बृजेंद्र सिंह राठौड़, बीडीओ वीरेंद्र कुमार व्यास सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े की तबीयत बिगड़ी, एसएमएस हॉस्पिटल के मेडिकल आईसीयू में भर्ती

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े की तबीयत मंगलवार को अचानक बिगड़ने पर उन्हें जयपुर के सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल के मेडिकल आईसीयू में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार राज्यपाल दोपहर करीब 1 बजे अपनी नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए एसएमएस हॉस्पिटल पहुंचे थे। जांच के दौरान उन्हें अचानक घबराहट महसूस हुई और बुखार आ गया। इसके बाद डॉक्टरों ने एहतियात के तौर पर उन्हें मेडिकल आईसीयू-2 में भर्ती कर लिया। डॉक्टरों के मुताबिक राज्यपाल ब्लड समेत अन्य रूटीन जांच के लिए अस्पताल पहुंचे थे। जांच के दौरान तबीयत बिगड़ने पर तुरंत मेडिकल टीम ने उनकी निगरानी शुरू कर दी। इस दौरान राज्य के चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर भी अस्पताल पहुंचे और चिकित्सकों से राज्यपाल के स्वास्थ्य की जानकारी ली। डॉक्टरों के अनुसार राज्यपाल को यूरिन में संक्रमण के साथ किडनी से जुड़ी हल्की समस्या की आशंका है। फिलहाल जनरल मेडिसिन, नेफ्रोलॉजी और यूरोलॉजी विभाग की टीम की देखरेख में उनका उपचार किया जा रहा है। राज्यपाल के यूरिन और ब्लड के सैंपल दोबारा लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं। राज्यपाल के उपचार के लिए 7 से अधिक डॉक्टरों की टीम का एक मेडिकल बोर्ड भी बनाया गया है। इस बोर्ड में जनरल मेडिसिन, नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी और कार्डियोलॉजी विभाग के वरिष्ठ चिकित्सक शामिल हैं। इस बीच उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा भी अस्पताल पहुंचकर राज्यपाल से मिले और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। एसएमएस अस्पताल प्रशासन ने राज्यपाल की देखरेख के लिए 9 डॉक्टरों की टीम गठित की है। इसमें जनरल मेडिसिन से डॉ. पुनीत सक्सेना, नेफ्रोलॉजी विभाग से डॉ. धनंजय अग्रवाल और डॉ. संजीव कुमार, यूरोलॉजी विभाग से डॉ. शिवम प्रियदर्शी और डॉ. नचिकेत व्यास, एंडोक्राइनोलॉजी विभाग से डॉ. संदीप माथुर, माइक्रोबायोलॉजी विभाग की एचओडी डॉ. रजनी शर्मा तथा कार्डियोलॉजी विभाग से डॉ. हिमांशु मेहला सहित अन्य चिकित्सक शामिल हैं।

अवैध हथियार के साथ आरोपी गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले में अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस थाना झाड़ोल ने एक आरोपी को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देशानुसार थानाधिकारी झाड़ोल मय टीम ने आसूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए बसुलाल पुत्र खातु निवासी दमाणा तालाब, थाना झाड़ोल, जिला उदयपुर को डिटेन कर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान उसके पास से एक देशी टोपीदार बंदूक बरामद हुई। प्राथमिक जांच में आरोपी के खिलाफ जुर्म प्रमाणित पाए जाने पर पुलिस ने अवैध हथियार को जब्त कर आरोपी को विधि अनुसार गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में पुलिस थाना झाड़ोल में प्रकरण संख्या 49/2026 दर्ज कर धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है। फिलहाल पुलिस द्वारा मामले में अग्रिम अनुसंधान जारी है।

मानवता का महायज्ञः नारायण सेवा संस्थान में 45वां दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह

14–15 मार्च को 51 जोड़े करेंगे नई जीवन यात्रा का शुभारंभ

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। विश्व स्तर पर दिव्यांगता आज एक गंभीर सामाजिक विषय बन चुकी है। World Health Organization के अनुसार दुनिया की लगभग 16 प्रतिशत आबादी किसी न किसी प्रकार की दिव्यांगता के साथ जीवन जी रही है। विकासशील देशों में जब दिव्यांगता के साथ गरीबी और सामाजिक पूर्वाग्रह जुड़ जाते हैं, तो विवाह जैसे सामाजिक संस्कार उनके लिए लगभग असंभव हो जाते हैं। भारत में भी लाखों दिव्यांग युवक-युवतियाँ आर्थिक अभाव, सामाजिक संकोच और भविष्य की असुरक्षा के कारण वैवाहिक जीवन से वंचित रह जाते हैं। इसी चुनौती के समाधान की दिशा में कार्य करते हुए Narayan Seva Sansthan आगामी 14–15 मार्च को अपने परिसर 'सेवा महातीर्थ, बड़ी' में 45वां दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह समारोह आयोजित करने जा रहा है। इस आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों से चयनित 102 दिव्यांग एवं निर्धन वर-वधू, 51 जोड़ों के रूप में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पवित्र अग्नि के सात फेरे लेकर गृहस्थ जीवन की नई शुरुआत करेंगे। इन जोड़ों में कोई हाथों से वंचित है, कोई पैरों से, कोई दृष्टिहीन है तो कोई श्रवण-वाक् बाधित। उल्लेखनीय है कि कई वर-वधू ऐसे भी हैं जिनका निःशुल्क ऑपरेशन, कृत्रिम अंग या सहायक उपकरण तथा कौशल प्रशिक्षण इसी संस्थान में हुआ और अब उनका विवाह भी यहीं संपन्न हो रहा है। यह आयोजन केवल विवाह ही नहीं, बल्कि उपचार, पुनर्वास, आत्मनिर्भरता और सम्मानजनक जीवन की संपूर्ण यात्रा का उत्सव भी है। संस्थान के अध्यक्ष Prashant Agarwal ने बताया कि पिछले 21 वर्षों में संस्थान 2510 दिव्यांग युवक-युवतियों के विवाह संपन्न करा चुका है। संस्थान दिव्यांगजनों को दया नहीं बल्कि सम्मान, अवसर और सुरक्षित भविष्य देने के लिए प्रतिबद्ध है। दिव्यांग विवाह में बाधाएँ और समाधान दिव्यांगजन के विवाह में सामाजिक पूर्वाग्रह, आर्थिक अभाव, शारीरिक निर्भरता, आत्मविश्वास की कमी, उपयुक्त जीवनसाथी न मिलना और विवाह उपरांत गृहस्थी की असुरक्षा प्रमुख बाधाएँ होती हैं। संस्थान इन समस्याओं के समाधान के लिए व्यापक सहयोग प्रदान करता है, जिसमें शामिल हैंः निःशुल्क चिकित्सा, ऑपरेशन एवं कृत्रिम अंग, कौशल प्रशिक्षण और आजीविका मार्गदर्शन, पारदर्शी तरीके से उपयुक्त जोड़ी का चयन] विवाह की संपूर्ण निःशुल्क व्यवस्था, विवाह के बाद गृहस्थी की आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराना नवदंपतियों को मिलेगा गृहस्थी का संपूर्ण उपहार, संस्थान की ओर से नवविवाहित जोड़ों को गृहस्थ जीवन की मजबूत शुरुआत के लिए आवश्यक सामग्री भेंट की जाएगी। इसमें पलंग, गद्दा, तकिए, कंबल, चादर, अलमारी, गैस चूल्हा, गैस सिलेंडर, किचन सेट, प्रेशर कुकर, तवा, कढ़ाई, थाली-गिलास सेट, पंखा, सिलाई मशीन, व्हीलचेयर या अन्य सहायक उपकरण, ट्रॉली बैग, पानी की टंकी, बाल्टी, ड्रम तथा दैनिक उपयोग की अन्य आवश्यक वस्तुएँ शामिल होंगी।

राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर उदाहरण

संस्थान के अनुसार दिव्यांगजनों के पुनर्वास को विवाह और आत्मनिर्भर गृहस्थ जीवन से जोड़ने का यह मॉडल विश्व में विरले ही देखने को मिलता है। देश-विदेश के दानदाता, समाजसेवी और शोधकर्ता इस पहल को समझने के लिए संस्थान से जुड़ते रहे हैं। दो दिवसीय यह आयोजन वैदिक परंपरा, मंत्रोच्चार, भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक गरिमा के साथ संपन्न होगा। इसमें देश-विदेश से आए अतिथि, संत-महात्मा, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि और दानदाता शामिल होंगे। कई लोग स्वयं कन्यादान कर नवदंपतियों को आशीर्वाद देंगे।

पेट्रोलियम गतिविधियों को खनन गतिविधियों से अलग करने सहित अन्य बदलावों के लिए संशोधन अधिनियम लागू किए

राज्यसभा में सांसद चुन्नीलाल गरासिया के प्रश्न पर राज्य मंत्री सुरेश गोपी का जवाब

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया द्वारा अन्वेषण की प्रगति और घरेलू हाईड्रोकार्बन उत्पादन के सम्बन्ध में पूछे गये राज्य सभा अतारांकित प्रश्न के जवाब पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने बताया कि पेट्रोलियम गतिविधियों को खनन गतिविधियों से अलग करने सहित अन्य बदलावों के लिए संशोधन अधिनियम लागू किए गए है।

श्री गोपी ने राज्यसभा में बताया कि सरकार को विश्वास है कि इन अपस्ट्रीम विनियामक सुधारों से मध्यम अवधि में घरेलू कच्चे तेल एवं प्राकृतिक गैस उत्पादन में वृद्धि होगी और आयात निर्भरता में कमी आएगी। उन्होंने बताया कि तेल क्षेत्र (विनियमन एवं विकास) संशोधन अधिनियम, 2025 को 15 अप्रैल, 2025 से लागू किया गया। इसके साथ ही 9 दिसंबर, 2025 को अधिसूचित पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 2025 ने अनुमोदन प्रक्रियाओं को सरल बनाया है और निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है। इन सुधारों का उद्देश्य कम अन्वेषित एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में अन्वेषण को प्रोत्साहित करना, मौजूदा उत्पादन क्षेत्रों से पुनर्प्राप्ति बढ़ाना, घरेलू एवं वैश्विक निवेश आकर्षित करना तथा ऊर्जा परिवर्तन को सुगम बनाने के लिए तेल क्षेत्रों में व्यापक ऊर्जा परियोजनाओं का विकास करना है।

उन्होंने बताया कि पेट्रोलियम गतिविधियों को खनन गतिविधियों से अलग करना, खनिज तेल शब्दावली का विस्तार, पेट्रोलियम पट्टा की अवधारणा का समावेश, स्थिर शर्तों पर पट्टा प्रदान करना, विवाद समाधान के प्रभावी प्रावधान तथा अपराध की श्रेणी से प्रावधानों को हटाना और दंड व्यवस्था को न्यायिक प्राधिकारी के अधीन करना संशोधन अधिनियम की प्रमुख विशेषताएं हैं।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि हाइड्रोकार्बन अन्वेषण एवं अनुज्ञप्ति नीति वर्ष 2016 से अब तक 9 दौर की बोलियों के माध्यम से कुल 172 अन्वेषण ब्लॉक (क्षेत्रफल 3,78,652 वर्ग किलोमीटर) आवंटित किए गए।

प्रदेश में 1 लाख 74 हजार लीटर से अधिक वॉश नष्ट निरोधात्मक कार्रवाई में 562 केस दर्ज - 556 गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 10 मार्च। आबकारी आयुक्त शिवप्रसाद नकाते के निर्देशानुसार प्रदेश में अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोक लगाने हेतु जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत प्रभावी कार्यवाही करते हुए फरवरी माह में 1 लाख 74 हजार 137 लीटर वॉश नष्ट किया गया।

इसी क्रम में विभिन्न निरोधात्मक कार्यवाही में 562 केस दर्ज करते हुए 556 को गिरफ्तार किया गया। आबकारी आयुक्त के अनुसार प्रदेश में जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर अंकुश लगाने के लिए प्रभावी कार्यवाही की गई। प्रदेश में फरवरी माह में 1 लाख 74 हजार 137 लीटर वॉश नष्ट किया गया। इसी क्रम में भारत निर्मित विदेशी मदिरा 11815, देशी मदिरा 2583, अवैध मदिरा 3344, बीयर 809 बोतल सहित 2 किलोग्राम भांग एवं 600 लीटर स्प्रिट सीज किया गया।

अतिरिक्त आबकारी आयुक्त प्रशासन अनिल कुमार शर्मा एवं अतिरिक्त आबकारी आयुक्त पॉलिसी प्रदीप सिंह सांगावत ने बताया कि प्रदेश में विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत फरवरी माह में अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय में संलिप्तता पर राजस्थान आबकारी अधिनियम के तहत 562 केस दर्ज करते हुए 556 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। अवैध मदिरा परिवहन में प्रयुक्त 14 दुपहिया वाहन, 7 हल्के चार पहिया वाहन सहित 21 वाहनों को सीज किया गया है।

जमीन हड़पने की साजिश नाकामः वृद्ध का अपहरण कर जबरन रजिस्ट्री कराने की योजना, पुलिस ने 24 घंटे में 9 आरोपियों को दबोचा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले के बड़गांव थाना क्षेत्र में जमीन हड़पने के लिए रची गई एक सुनियोजित साजिश को पुलिस ने महज 24 घंटे में नाकाम कर दिया। एक वृद्ध व्यक्ति का अपहरण कर उससे जबरन जमीन की रजिस्ट्री कराने की तैयारी कर रहे गिरोह के नौ सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामले में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर थानाधिकारी किताब चौधरी के नेतृत्व में गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पूरे मामले का खुलासा किया।

पनघट से किया था अपहरण

घटना 8 मार्च की सुबह करीब 8:30 बजे की है। हलेला क्षेत्र निवासी बंशीलाल गमेती ने पुलिस को रिपोर्ट दी कि वह काम से नारायण सेवा संस्थान गया हुआ था। इसी दौरान उसके पिता रामा गमेती घर के पास पनघट से पानी लेने गए थे। तभी एक सफेद कार वहां पहुंची, जिसमें सवार कुछ लोग नीचे उतरे और रामा गमेती को जबरन कार में डालकर ले गए। परिजनों को आशंका थी कि आरोपियों ने जमीन हड़पने की नीयत से उनका अपहरण किया है। शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। CCTV और तकनीकी जांच से मिली सफलता मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी जांच के साथ मुखबिर तंत्र की मदद ली। तेजी से कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अपहृत रामा गमेती को दस्तयाब कर लिया और घटना में शामिल आरोपियों की धरपकड़ शुरू कर दी। जमीन हड़पने के लिए पहले से तैयार थे कागजात पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी लंबे समय से एक गिरोह बनाकर भोले-भाले लोगों की जमीन पर नजर रखते थे। इसके बाद फर्जी या अवैध तरीके से जमीन की रजिस्ट्री करवाकर धोखाधड़ी करते थे। इस मामले में भी गिरोह ने पहले रामा गमेती की जमीन चिन्हित की और उसकी रजिस्ट्री के कागजात पहले से तैयार कर लिए थे। योजना थी कि अपहरण कर उनसे जबरन दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवाकर जमीन अपने गिरोह के किसी सदस्य के नाम करा दी जाए। हालांकि पुलिस की सक्रियता के चलते आरोपी रामा गमेती को साईफन चौराहे के पास छोड़कर फरार हो गए थे। वारदात में इस्तेमाल दो गाड़ियां जब्त पुलिस ने कार्रवाई के दौरान वारदात में इस्तेमाल स्विफ्ट कार (RJ27CB9142) और किया सेल्टोस (RJ27CP2017) को भी बरामद कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि यह पूरा प्लान किशन मेघवाल निवासी बांसलिया (नांदेशमा) और सुरेश मेघवाल निवासी सुहावतो का गुड़ा के कहने पर बनाया गया था। पुलिस अब इन दोनों सहित अन्य फरार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

गिरफ्तार आरोपी

पुलिस ने इस मामले में अब तक 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें मुकेश गमेती, अशोक बंजारा, दीपचंद्र उर्फ दीपक उर्फ सरपंच, सुरेश गमेती, पुष्कर गमेती, विजय गमेती, प्रकाश गमेती, प्रवीण मेघवाल और दिलीप कुमार गमेती शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और संभावित पीड़ितों के बारे में भी जांच जारी है।

नववर्ष उत्सव में गूंजेगा लोक और रैप का सुरः रेपरिया बालम की प्रस्तुति बनेगी मुख्य आकर्षण

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। बीकानेर में आयोजित बीकानेर रंग महोत्सव के दसवें संस्करण में इस बार उदयपुर की रंग परंपरा और साहित्यिक चेतना की उल्लेखनीय उपस्थिति दर्ज हुई। देश के प्रमुख रंग आयोजनों में प्रतिष्ठित इस महोत्सव में उदयपुर से नाट्य निर्देशक सुनील टांक तथा वरिष्ठ साहित्यकार कुंदन माली को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया, जिन्होंने अपने विचारों और अनुभवों के माध्यम से मेवाड़ की सांस्कृतिक विरासत को व्यापक मंच पर प्रस्तुत किया।

देश के महत्वपूर्ण रंग आयोजनों में गिने जाने वाला यह महोत्सव राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा आयोजित भारत रंग महोत्सव के बाद देश का दूसरा बड़ा नाट्य आयोजन माना जाता है। नाटकों के महाकुंभ के रूप में प्रतिष्ठित यह आयोजन इस वर्ष छह दिनों तक चला, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से आए रंगकर्मियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से रंगमंच की विविधता का प्रदर्शन किया। महोत्सव के दौरान तीस से अधिक रंगमंचीय नाट्य प्रस्तुतियां और लगभग पचास नुक्कड़ नाटकों का मंचन हुआ। इसके साथ ही रंगमंच और साहित्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर कई सारगर्भित चर्चाएं भी आयोजित की गईं। इन परिचर्चाओं में देश के अनेक प्रतिष्ठित साहित्यकारों और रंगकर्मियों ने भाग लिया। प्रमुख रूप से नंद किशोर आचार्य, प्रदीप भटनागर, अर्जुन देव चारण, गोपाल आचार्य, मधु आचार्य, हरीश बी. शर्मा तथा सुरेन्द्र धारणिया सहित अनेक साहित्यकार और नाटककार उपस्थित रहे। इस वर्ष महोत्सव को राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के पूर्व निदेशक देवेंद्र राज अंकुर को समर्पित किया गया और उनकी उपस्थिति में ही इस सांस्कृतिक आयोजन का शुभारंभ हुआ। इस महोत्सव को व्यापक पहचान दिलाने में सुदेश व्यास और उनकी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा है, जिनके सतत प्रयासों से यह आयोजन राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बना चुका है। निर्मोही व्यास सम्मान अजय कुमार को प्रदान किया गया। वहीं राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के रंगमंडल प्रमुख राजेश सिंह की उपस्थिति में रंगमंडल द्वारा रामगोपाल बजाज के कालजयी नाटक 'अंधायुग' सहित कई महत्वपूर्ण नाटकों का प्रभावशाली मंचन किया गया। इसके अतिरिक्त 'सरफरोश', 'स्वदेश', 'मकड़ी' और 'जंगल' जैसी फिल्मों में अभिनय से पहचान बनाने वाले अभिनेता मकरंद देशपांडे ने नाटक 'पियक्कड़' की प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

पूरे बीकानेर शहर में अलग-अलग स्थानों पर नाट्य मंचन, साहित्यिक चर्चा, पुस्तक दीर्घा, कार्यशालाएं, परिचर्चाएं, संगीत कार्यक्रम, लोक कला प्रस्तुतियां, धरोहर परिक्रमा और नुक्कड़ नाटकों सहित अनेक सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की गईं। प्रतिदिन प्रातः आठ बजे से रात्रि ग्यारह बजे तक चलने वाले इन आयोजनों में देशभर से आए एक हजार से अधिक रंगकर्मी और साहित्यकार शामिल हुए, जिससे पूरा शहर मानो एक विशाल सांस्कृतिक कुंभ में परिवर्तित हो गया। इसी अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार कुंदन माली ने उदयपुर के साहित्यिक योगदान और उसकी समृद्ध परंपरा पर अपने विचार व्यक्त किए। वहीं नाट्य निर्देशक सुनील टांक ने उदयपुर के रंगमंच, लोक कलाओं और मेवाड़ की कला-संस्कृति से उपस्थित लोगों को परिचित कराया। उन्होंने उदयपुर शहर और मेवाड़ संभाग की विविध कलाओं तथा सांस्कृतिक परंपराओं का परिचय देते हुए इस सांस्कृतिक महोत्सव में शहर का प्रतिनिधित्व किया।

बिना चेतावनी वाले तंबाकू उत्पादों पर पुलिस की बड़ी कार्रवाईः 65 हजार से अधिक सिगरेट और 11 हुक्के जब्त

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर में सचित्र स्वास्थ्य चेतावनी के बिना तंबाकू उत्पाद बेचने वालों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में सिगरेट और तंबाकू जब्त किया है। प्रतापनगर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में 3260 पैकेट सिगरेट, 60 पैकेट तंबाकू और 11 हुक्के बरामद किए हैं। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर जिलेभर में बिना स्वास्थ्य चेतावनी वाले तंबाकू उत्पादों की बिक्री के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में प्रतापनगर थानाधिकारी की टीम और डीएसटी ने ड्रग इंस्पेक्टर के सहयोग से यह कार्रवाई की।

गुप्त सूचना पर छापा

पुलिस को सूचना मिली थी कि प्रतापनगर थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति बिना सचित्र चेतावनी वाले सिगरेट और तंबाकू उत्पादों का अवैध भंडारण और बिक्री कर रहा है। सूचना की पुष्टि होने के बाद पुलिस टीम ने आदर्श नगर, ई-ब्लॉक पायड़ा निवासी मुकेश (पुत्र सुजानमल) के ठिकाने पर दबिश दी। छापेमारी के दौरान पुलिस को विभिन्न ब्रांड के 3260 पैकेट यानी करीब 65,200 सिगरेट, 60 पैकेट तंबाकू और 11 हुक्के मिले, जिन्हें मौके पर ही जब्त कर लिया गया।

कोटपा एक्ट में मामला दर्ज

इस मामले में प्रतापनगर थाने में प्रकरण संख्या 154/2026 दर्ज किया गया है। आरोपी के खिलाफ कोटपा एक्ट 2003 (COTPA Act) की धारा 07/20 के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार सचित्र स्वास्थ्य चेतावनी के बिना तंबाकू उत्पादों का उत्पादन, भंडारण और बिक्री कानूनन अपराध है। ऐसे मामलों में आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

असहाय परिवारों के लिए पहलः हरिद्वार में होगा अस्थि विसर्जन, मेवाड़ प्रताप दल सेवा संस्थान ने शुरू की तैयारी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर में सामाजिक सरोकार की एक महत्वपूर्ण पहल के तहत मेवाड़ प्रताप दल सेवा संस्थान द्वारा लावारिस और आर्थिक रूप से असहाय परिवारों के परिजनों की अस्थियों के विसर्जन के लिए विशेष अभियान शुरू किया जा रहा है। इस संबंध में संस्थान की एक बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता संस्थापक लाला सालवी ने की। संस्थान के जिला सचिव राकेश पालीवाल ने बताया कि कई परिवार ऐसे होते हैं जो आर्थिक या अन्य कारणों से अपने परिजनों की अस्थियों को हरिद्वार ले जाकर विसर्जित नहीं कर पाते। ऐसे परिवारों की मदद के उद्देश्य से संस्थान ने यह पहल शुरू की है। इसके तहत इच्छुक परिवारों से संपर्क कर उनकी अस्थियां एकत्रित कर हरिद्वार में विधि-विधान से विसर्जन कराया जाएगा। बैठक में संस्थान के जिला अध्यक्ष ओंकार जोशी ने सुझाव दिया कि इस अभियान की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए शहर के श्मशान स्थलों और मंदिरों के बाहर सूचना बैनर लगाए जाएं, ताकि जरूरतमंद परिवार संस्थान से संपर्क कर सकें।

बैठक में संस्थान के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इनमें शेर सिंह राठौड़, नरेंद्र मनौती, खुशलेन्द्र कुमावत, तीर्थ पाल, सुनील अहीर, नारायण चंदेरिया, प्रीतम सिंह, ओम सेन, सतीश सालवी और प्रेमराज माली सहित अन्य सदस्य शामिल थे।

संस्थान के पदाधिकारियों ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य असहाय परिवारों को धार्मिक परंपरा के अनुसार अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूर्ण कराने में सहयोग देना और समाज में सेवा की भावना को आगे बढ़ाना है।

फिजियो फेस्ट-2026 की रंगारंग शुरुआतः राजस्थानी-पंजाबी धुनों पर थिरके विद्यार्थी, प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर में राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय के संघटक फिजियोथेरेपी चिकित्सा महाविद्यालय द्वारा आयोजित सांस्कृतिक समारोह "फिजियो फेस्ट-2026" का मंगलवार को भव्य आगाज हुआ। बीएड कॉलेज के सभागार में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ कुलाधिपति भंवरलाल गुर्जर, कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत और प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र मेहता ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुतियों से माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। राजस्थानी और पंजाबी रिमिक्स गीतों पर समूह नृत्य, एकल नृत्य, एकल गायन और कैटवॉक जैसी प्रस्तुतियों ने सभागार में मौजूद अतिथियों और दर्शकों का मन मोह लिया।

सेवा भावना ही चिकित्सक की पहचान

समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने विद्यार्थियों से कहा कि चिकित्सकीय क्षेत्र में सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं होता। उन्होंने भावी फिजियोथेरेपिस्ट से आह्वान किया कि वे मरीजों को भगवान का स्वरूप मानकर सेवा करें, क्योंकि सच्ची सेवा ही जीवन में सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने बताया कि फिजियोथेरेपी चिकित्सा महाविद्यालय इस वर्ष अपना रजत जयंती वर्ष मना रहा है। इस अवसर पर वर्षभर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सेमिनारों सहित विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

संस्कृति से जुड़ाव का संदेश

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति भंवरलाल गुर्जर ने कहा कि ऐसे आयोजन भारतीय संस्कृति और सभ्यता को जीवंत बनाए रखने का माध्यम हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को महाविद्यालय की हर गतिविधि में भाग लेने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि जीत-हार से अधिक महत्वपूर्ण सीख और अनुभव होता है।

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान

समारोह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

बेस्ट स्टूडेंट अवार्ड – हर्षिता सुथार

बेस्ट प्लेयर अवार्ड – अंकित चौहान, प्रियांशी पालीवाल, भूमि जैन, अदिति जोशी और हर्षिता सुथार रहे। कार्यक्रम में डॉ. इंदु आचार्य, डॉ. नीतू व्यास और डॉ. कुसुम चन्द्रायन ने निर्णायक की भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रज्ञा भट्ट ने किया, जबकि आभार डॉ. विनोद नायर ने व्यक्त किया।

सांसद डॉ रावत ने जनजाति क्षेत्रों में एकलव्य विद्यालय खोलने की मांग संसद में उठाई

पंचायत समिति ओगणा, सुलाव, देवला, नाई एवं कल्याणपुर है इसके लिए पात्र

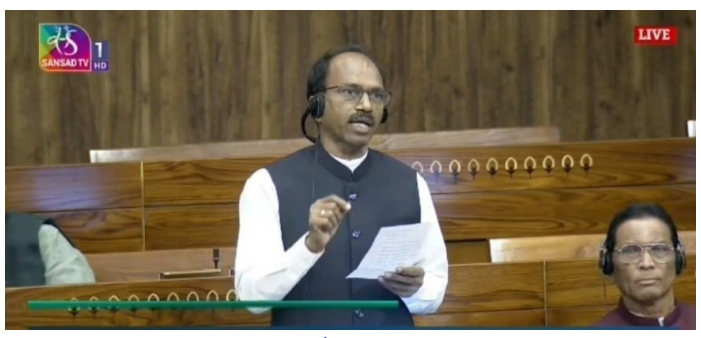

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सांसद डॉ मन्नालाल रावत ने पांच पंचायत समितियों में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय खोलने की मांग की है। सांसद डॉ रावत ने मंगलवार को संसद में नियम 377 के अधीन यह मामला रखा। सांसद डॉ रावत ने संसद में बताया कि लोकसभा क्षेत्र उदयपुर के अंतर्गत जिला उदयपुर की पंचायत समितियों ओगणा, सुलाव, देवला, नाई एवं कल्याणपुर में वर्तमान में एक भी एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय संचालित नहीं है, जबकि ये सभी क्षेत्र जनजाति बहुल हैं। जनगणना 2011 के अनुसार पंचायत समिति ओगणा में 68 प्रतिशत, सुलाव में 95 प्रतिशत, देवला में 98 प्रतिशत, नाई में 86 प्रतिशत तथा कल्याणपुर में 88 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति जनसंख्या निवास करती है एवं एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय खोले जाने हेतु सम्पूर्ण पात्रता रखती है। ये पंचायत समितियां दुर्गम एवं भौगोलिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में स्थित हैं, जिससे जनजाति बालक-बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण आवासीय शिक्षा के समुचित अवसर उपलब्ध नहीं हो पाते। परिणामस्वरूप उच्च शिक्षा में उनकी भागीदारी एवं प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता प्रभावित होती है। स्थानीय नागरिकों द्वारा लंबे समय से यहां एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय स्थापित किए जाने की मांग की जा रही है। अतः अनुरोध है कि संविधान के अनुच्छेद 275 (1) के अंतर्गत उपर्युक्त पांचों पंचायत समितियों में नवीन एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों की स्वीकृति प्रदान कर जनजाति विद्यार्थियों को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण एवं समग्र शिक्षा सुनिश्चित की जाए।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा।